अब नी रिप्लेसमेंट हुआ और आसान

गुड़गांव। कूल्हे और घुटने के मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अब अनसिमेंटेड नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के तहत उनका उपचार किया जा सकेगा। इसमें शरीर और हड्डी के नुकसान की संभावना नहीं रहती और नी रिप्लेसमेंट कराना मरीज के लिए आसान होता है। इसका लाइव सेटेलाइट के माध्यम से एशिया के 500 डॉक्टरों को दिखाया गया। एशिया पेसिफिक आर्थोप्लास्टी सोसाइटी (एपीएएस) की वार्षिक बैठक बृहस्पतिवार को लीला केमपिंस्की होटल में आयोजित हुई।

बैठक में डॉ. मार्या की लिखी दो पुस्तक टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी-प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स व स्टेप बाई स्टेप नी रिप्लेसमेंट का विमोचन किया गया। बैठक में ब्रिटेन के डॉक्टर डेविड बैरट व दक्षिण अफ्रीका के डॉक्टर इयान मैकेंजी रोगन भी शामिल रहे। एपीएएस के आर्गनाइजिंग के चेयरमेन डॉक्टर एसकेएस मार्या ने पत्रकार वार्ता में बताया कि अनसिमेंटेड हिप सर्जरी तो पिछले लगभग 20 वर्षो से से संचालित की जा रही है, परंतु अनसीमेंटेड नी सर्जरी की विधि अभी नई है।

एशिया में पहली बार तकनीक का प्रयोग